हिन्दी साप्ताहिक

R.N.I. No. UPHIN/2022/83621

जनता का सच

वर्ष 04 अंक 21+22 | लखनऊ शनिवार 31 मई 2025 | पृष्ठ 04 मूल्य 2 रूपया

एक नजर में....

नीले ड्रम वाली मुस्कान अब खुद लड़ेगी अपना केस!

मेरठ पूरे देश को हिला देने वाले सौरभ राजपूत हत्याकांड के बारे में तो आप जानते ही होंगे। मेरठ की कातिल पत्नी मुस्कान ने अपने पति की हत्या कर उसके शव के टुकड़े–टुकड़े कर नीले ड्रम में भर दिए थे। फिर ऊपर से सीमेंट का घोल जाल दिया था। इस सनसनीखेज वारदात का खुलासा होने के बाद से मुस्कान और उसका प्रेमी साहिल जेल में ही बंद हैं। जेल में बंद मुस्कान कई दिनों बाद एक बार फिर सुर्खियों में आ गई है। इस बार सुर्खियों में आने की वजह है कि वह अब वकील बनकर खुद अपना केस लड़ना चाहती है। उसने एलएलबी की पढ़ाई करने की ख्वाहिश जताई है। जिसके लिए उसने जेल प्रशासन से बाकायदा सिलेबस और शिक्षा व्यवस्था की जानकारी भी मांगी है। जेल प्रशासन से बातचीत में मुस्कान ने कहा कि उसे अब महसूस हो रहा है कि उसका केस शायद कोई वकील उस तरह से नहीं लड़ेगा जैसे वह चाहती है। इसलिए अब वह खुद अदालत में अपने केस की पैरवी करना चाहती है। बकौल वरिष्ठ जेल अधीक्षक डॉ. वीरेश राज शर्मा, मुस्कान ने एलएलबी की पढ़ाई के लिए जानकारी मांगी है। जेल प्रशासन इस अनुरोध पर विचार कर रहा है। बता दें कि मेरठ जेल में इग्नू के माध्यम से पहले से हाई स्कूल और इंटर तक की पढ़ाई कराई जाती है, लेकिन एलएलबी जैसी पेशेवर पढ़ाई को जेल के अंदर करवाना एक बड़ी चुनौती है। जेल प्रशासन का कहना है कि यदि मुस्कान वाकई गंभीरता से पढ़ना चाहती है तो उसे सबसे पहले हाई स्कूल और फिर इंटर की पढ़ाई पूरी करनी होगी।

अंकिता भंडारी हत्याकांडः सभी आरोपियों को सुनाई गई आजीवन कारावास की सजा

कोटद्वार उत्तराखंड के अंकिता भंडारी हत्याकांड प्रकरण में संलिप्त तीन आरोपियों को शुक्रवार को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। तीनों दोषियों को उम्र कैद, 50–50 हजार का जुर्माना भी लगाया गया है। सजा का ऐलान कोटद्वार स्थित अपर जिला एवं सत्र न्यायालय ने दिया है। इस हत्याकांड में संलिप्त पुलकित आर्य, उसके कर्मचारी सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता को 302, 201, 354 के तहत दोषी करार दिया गया है। कोर्ट ने हत्याकांड में शामिल मुख्य आरोपी पुलकित आर्य पर 302, 201, 354ए और अनैतिक देह व्यापार अधिनियम के तहत आरोप तय किए। वहीं, सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता को आईपीसी की धारा 302, 201 और अनैतिक देह व्यापार अधिनियम के तहत दोषी करार दिया गया। दो साल आठ महीने तक इस पूरे मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट में कुल 47 गवाह पेश किए गए। 19 मई को ही इस पूरे मामले की सुनवाई पूरी हुई थी, जिसके बाद कोर्ट ने सजा सुनाने के लिए 30 मई की तारीख निर्धारित की थी। घर की आर्थिक हालत ठीक नहीं होने की वजह से अंकिता भंडारी ने रिसेप्शनिस्ट के तौर पर काम करना शुरू कर दिया था।

कानपुर में मोदी बोले-दुश्मन कहीं भी हो, खत्म कर देंगे

पाकिस्तानी सेना गिड़गिड़ा रही थी, बेटियों के सिंदूर का आक्रोश दुनिया ने देखा

कानपुर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कानपुर में जनसभा की। 45 मिनट के भाषण में उन्होंने आतंक को लेकर पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया। कहा, बेटियों के सिंदूर का आक्रोश दुनिया ने देखा। हमारी सेना ने ऐसा पराक्रम दिखाया कि पाकिस्तानी सेना को गिड़गिड़ा कर युद्ध रोकने की मांग करने पर मजबूर होना पड़ा। अगर मैं कनपुरिया अंदाज में कहूं तो–दुश्मन कहीं भी हो, हौंक दिया जाएगा। हमारे भारतीय हथियारों ने और ब्रह्मोस मिसाइल ने दुश्मन के घर में घुसकर तबाही मचाई है। आतंकियों के ठिकानों को सैकड़ों मील अंदर जाकर तबाह किए।

इससे पहले, मोदी ने कानपुर एयरपोर्ट पर शुभम द्विवेदी के परिवार से मुलाकात की। मोदी ने शुभम द्विवेदी की पत्नी ऐशन्या, मां सीमा और पिता संजय द्विवेदी से मुलाकात की। शुभम के चाचा मनोज द्विवेदी ने बताया कि पीएम परिवार से मिलकर भावुक हो गए। ऐशन्या और शुभम के पिता की आंखों से आंसू निकल आए तो पीएम ने ढांढस बंधाया। शुभम की मौत पहलगाम आतंकी हमले में हुई थी। पत्नी ऐशन्या के सामने उन्हें गोली मारी गई थी। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे। पहलगाम के कायराना हमले में हमारे कानपुर के बेटे शुभम द्विवेदी भी बर्बरता का शिकार हुए। बेटी ऐशन्या की वो पीड़ा, वो कष्ट और भीतर का आक्रोश हम सब महसूस कर सकते हैं। हमारी बहनों–बेटियों का वही आक्रोश ऑपरेशन सिंदूर के रूप में पूरी दुनिया ने देखा है। स्वतंत्रता संग्राम की इस धरती से मैं सेना के इस शौर्य को बार–बार सैल्यूट करता हूं। मैं फिर कहना चाहता हूं कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जो दुश्मन गिड़गिड़ा रहा था, वो किसी धोखे में न रहे। ऑपरेशन अभी खत्म नहीं हुआ है। पाकिस्तान का यह खेल अब नहीं चलने वाला। अगर मैं कनपुरिया अंदाज में कहूं तो–दुश्मन कहीं भी हो, हौंक दिया जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर में जिस ब्रह्मोस मिसाइल ने दुश्मनों को सोने नहीं दिया, उस ब्रह्मोस मिसाइल का भी नया पता है–उत्तर प्रदेश। भारत ने आतंक के खिलाफ अपनी लड़ाई में तीन सूत्र स्पष्ट रूप से तय किए हैं। 1– भारत हर आतंकी हमले का करारा जवाब देगा, उसका समय, तरीका और शर्तें हमारी सेनाएं खुद तय करेंगी। 2– भारत अब एटम बम की गीदड़भभकी से नहीं डरेगा और न ही उसके आधार पर कोई फैसला लेगा। 3– आतंक के आका और आतंक की सरपरस्त सरकार को भारत एक ही नजर से देखेगा। ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया ने भारत के स्वदेशी हथियारों और मेक इन इंडिया की ताकत भी देखी है। हमारे भारतीय हथियारों ने और ब्रह्मोस मिसाइल ने दुश्मन के घर में घुसकर तबाही मचाई है। जहां टारगेट तय किया, वहां धमाके किए। ये ताकत हमें आत्मनिर्भर भारत के संकल्प से मिली है। एक समय था, जब भारत सैन्य जरूरतों के लिए, अपनी रक्षा के लिए दूसरे देशों पर निर्भर था। हमने उन हालातों को बदलने को शुरुआत की। लखनऊ–कानपुर एक्सप्रेसवे को पूर्वांचल एक्सप्रेसवे और गंगा एक्सप्रेसवे से जोड़ा जाएगा।

खरगे, राहुल की असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नेताओं के साथ बैठक, चुनावी रणनीति पर हुई चर्चा

नयी दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पार्टी की नवगठित असम इकाई के नेताओं के साथ शुक्रवार को बैठक की जिसमें संगठन को मजबूत बनाने तथा विधानसभा चुनाव की तैयारियों तथा आगे की रणनीति को लेकर चर्चा की गई। पार्टी मुख्यालय 'इंदिरा भवन में हुई बैठक में कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त अध्यक्ष गौरव गोगोई, प्रदेश प्रभारी जितेंद्र सिंह और कई अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। सूत्रों का कहना है कि इस बैठक में संगठन को मजबूत बनाने और विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। असम में अगले साल अप्रैल–मई में विधानसभा चुनाव संभावित है। विधानसभा चुनाव में करीब एक साल बाकी है। पिछले सोमवार को लोकसभा सदस्य गौरव गोगोई को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। असम विधानसभा के सदस्य जाकिर हुसैन सिकदर, पूर्व विधायक रोजलीना तिर्की और प्रदीप सरकार को पार्टी की असम इकाई का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया। कांग्रेस ने गोगोई को यह जिम्मेदारी उस वक्त सौंपी है, जब असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा एवं भाजपा उनपर उनकी पत्नी के पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी 'आईएसआईश से कथित संबंध तथा कांग्रेस सांसद के ''पाकिस्तान दौरे को लेकर लगातार हमला कर रही है। आरोपों को खारिज करते हुए गोगोई ने पिछले दिनों मुख्यमंत्री की मानसिक स्थिति पर सवाल उठाया था।

पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद से निपटने के लिए भारत हर तरीका अपनाएगा : राजनाथ

नयी दिल्ली रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान को यह साफ तौर पर समझ लेना चाहिए कि आजादी के बाद से वह भारत के खिलाफ आतंकवाद का जो ''खतरनाक खेल खेल रहा है, वह अब खत्म हो चुका है। गोवा के तट पर विमानवाहक पोत 'आईएनएस विक्रांत पर नौसेना के योद्धाओं के साथ बातचीत में सिंह ने पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि भारत आतंकवाद से निपटने के लिए उन तरीकों का इस्तेमाल करने में संकोच नहीं करेगा, जिनके बारे में पाकिस्तान सोच भी नहीं सकता। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर महज एक

सैन्य कार्रवाई नहीं है, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ भारत का सीधा हमला है। उन्होंने कहा, ''आतंक के खिलाफ हर वह तरीका इस्तेमाल करेंगे जो पाकिस्तान सोच सकता है, लेकिन हम उन तरीकों को इस्तेमाल करने से भी नहीं हिचकिचाएंगे जिनके बारे में पाकिस्तान सोच भी नहीं सकता। रक्षा मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान के हित में यही होगा कि वह अपनी धरती से जारी आतंकवाद को खुद ही उखाड़ फेंके। उन्होंने कहा, ''पाकिस्तान की धरती से भारत विरोधी गतिविधियां खुलेआम जारी हैं। भारत सीमा और समुद्र के इस पार तथा उस पार आतंकवादियों के खिलाफ किसी भी तरह का अभियान चलाने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र है। उन्होंने कहा, ''आज पूरी दुनिया आतंकवाद के खिलाफ अपने नागरिकों की रक्षा करने के भारत के अधिकार को स्वीकार कर रही है। आज दुनिया की कोई भी ताकत भारत को यह काम करने से नहीं रोक सकती। सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूरश के दौरान भारतीय नौसेना की भूमिका की भी सराहना की। उन्होंने कहा, ''भारतीय नौसेना ने अपनी मौन सेवा से हर भारतीय को प्रभावित किया है। मौन रहकर भारतीय नौसेना ने पाकिस्तानी सेना को (एक सीमा तक) सीमित करने में सफलता हासिल की।

अमित शाह बोले, बीएसएफ ने पाकिस्तान को ऐसा झटका दिया है, जिससे उबरने में उसे कई साल लगेगे

पुंछ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को इस महीने की शुरुआत में पाकिस्तानी आक्रमण का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की सराहना की। उन्होंने कहा कि जम्मू सीमा पर जवाबी कार्रवाई में 118 से अधिक दुश्मन चौकियां तबाह और क्षतिग्रस्त हो गई। ऑपरेशन सिंदूर के बाद जम्मू–कश्मीर की अपनी पहली यात्रा के दौरान शाह ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल ने दुश्मन के निगरानी नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया है, जो एक बड़ा झटका है और इसकी भरपाई करने में उन्हें वर्षों लग जाएंगे।

सुरक्षा स्थिति, अमरनाथ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा करने और पाकिस्तानी गोलाबारी के पीड़ितों से बातचीत करने के लिए जम्मू क्षेत्र के अपने 2 दिवसीय दौरे के समापन पर केंद्रीय गृह मंत्री ने बीएसएफ जवानों की सराहना की। उन्होंने कहा कि तीन दिनों में 118 से अधिक चौकियों को क्षतिग्रस्त या नष्ट करना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा, "जब पाकिस्तान ने हमारी सीमाओं और नागरिक क्षेत्रों पर हमला करके हमारे आतंकवाद विरोधी अभियानों का जवाब दिया, तो यह बीएसएफ के 'जम्मू फ्रंटियर के जवान थे जिन्होंने 118 से अधिक चौकियों को तबाह और क्षतिग्रस्त करके जवाबी कार्रवाई की।" "उन्होंने दुश्मन की पूरी निगरानी प्रणाली को टुकड़े–टुकड़े करके नष्ट कर दिया–एक ऐसी प्रणाली जिसे दोबारा बनाने में उन्हें चार से पांच साल लगेंगे।" उन्होंने कहा कि बीएसएफ महानिदेशक से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पाकिस्तान की संचार प्रणाली और निगरानी उपकरणों को सबसे बड़ा झटका लगा है, जिससे वह "काफी समय तक पूर्ण सूचना आधारित युद्ध लड़ने में असमर्थ हो जाएगा"।

नीतीश कुमार ने जाति जनगणना के लिए पीएम मोदी को दिल से धन्यवाद दिया

पटना मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जाति जनगणना कराने के लिए शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया, जिसकी मांग वह जोर शोर से उठा रहे थे। जनता दल (यूनाइटेड) के अध्यक्ष राज्य की राजधानी से करीब 140 किलोमीटर दूर काराकाट में प्रधानमंत्री के साथ मंच साझा कर रहे थे, जहां प्रधानमंत्री ने 48,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली विकास परियोजनाओं की शुरुआत की। वर्ष 1990 के दशक से ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सहयोगी रहे नीतीश कुमार ने कहा, ''दिवंगत अटल बिहारी वाजपेयी की तरह नरेन्द्र मोदी जी भी हमारे राज्य के लिए बहुत कुछ कर रहे हैं। आइए, हम सभी उनका अभिनंदन करें। नीतीश कुछ समय के लिए भाजपा से अलग भी हुए थे, हालांकि भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में फिर शामिल हुए नीतीश अब जोर देकर कहते हैं कि वह हमेशा के लिए राजग में वापस आ गए हैं। जद (यू) सुप्रीमो ने इस साल के केंद्रीय बजट का जिक्र किया, जिसमें बिहार के लिए ''मखाना बोर्ड का गठन और हवाई अड्डों जैसे विशेष प्रावधान थे। कुमार ने कहा, ''मैं जाति जनगणना पर सहमति जताने के लिए प्रधानमंत्री को नमन करता हूं। यह बहुत बड़ी बात है। हम लोग इतने लंबे समय से इसकी मांग कर रहे थे. .. मैं यहां मौजूद सभी लोगों से आग्रह करता हूं कि वे खड़े होकर उनका अभिनंदन करें। कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए कुमार ने कहा, ''कुछ पार्टियां जाति जनगणना के बारे में बहुत बातें कर रही हैं। सत्ता में रहते हुए उनके पास एक अवसर था, जिसे उन्होंने गंवा दिया। बिहार के मुख्यमंत्री ने बिना किसी का नाम लिए अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी लालू प्रसाद के राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर भी हमला किया और कहा, ''हमसे पहले बिहार पर शासन करने वालों ने कुछ नहीं किया। शिक्षा, सड़कें, रोजगार सृजन, महिलाओं का सशक्तिकरण, इन पर हमारे सत्ता में आने के बाद ध्यान दिया गया।

सरकार, एमएसएमई के लिए ;ण उपलब्धता बढ़ाने की इच्छुक : अधिकारी

नई दिल्ली सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के लिए ऋण उपलब्धता बढ़ाने के साथ ही प्रौद्योगिकी के दम पर उनमें सुधार करना चाहती है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की वार्षिक आम बैठक को संबोधित करते हुए एमएसएमई मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव एवं विकास आयुक्त रजनीश ने कहा कि भारत आज चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और शीघ्र ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। रजनीश ने बताया कि कैसे कोविड–19 वैश्विक महामारी के दौरान एमएसएमई को नुकसान उठाना पड़ा, लेकिन यह क्षेत्र बहुत तेजी से उबर गया। उन्होंने कहा कि एमएसएमई 27 करोड़ लोगों को रोजगार देते हैं और इसीलिए मंत्रालय नीतियां बनाते समय उन्हें ध्यान में रखता है। रजनीश ने कहा, '' हम एमएसएमई के लिए ऋण उपलब्धता बढ़ाना चाहते हैं। इस वर्ष बजट में सूक्ष्म उद्यमों को क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराने

का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों के अनुसार, पिछले पांच वर्ष में एमएसएमई की गैर–निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए,खराब ऋण) पांच प्रतिशत से कम रही है। रजनीश ने एमएसएमई को बेहतर बनाने में प्रौद्योगिकी की भूमिका का भी उल्लेख किया और सुझाव दिया कि प्रौद्योगिकी के उपयोग से पर्यावरण संबंधी चिंताओं एवं विकास की आकांक्षाओं के बीच के मुद्दों को सुलझाया जा सकता है। सीमेंस लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुनील माथुर ने कहा कि आज भारत में औसत उत्पादकता स्तर 75 प्रतिशत है जबकि यूरोप में यह 90 प्रतिशत से अधिक है। प्रौद्योगिकी का उपयोग इस अंतर (उत्पादकता) को पाटने में मदद कर सकता है।

सरकारी स्कूलों में दो साल में कम हुए 1.12 लाख बच्चे

–संवाददाता

बाराबंकी। सरकार भले ही परिषदीय विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर सुविधाएं देने के दावे कर रही हो, मगर जमीनी हकीकत इसके विपरीत है। इसके चलते ही बीते दो वर्षों में बाराबंकी के परिषदीय स्कूलों से 1.12 बच्चों का नामांकन घट गया है। इससे साफ होता है कि शिक्षण कार्य की गुणवत्ता सुधारने के नाम पर करोड़ खर्च करने के बाद भी अभिभावकों का मोह सरकारी स्कूलों से भंग हो रहा है।

जिले के 2624 प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों में सत्र 2022–23 में बच्चों की संख्या तीन लाख 94 हजार थी। स्कूलों में बच्चों की संख्या और बढ़ाने व संसाधनों को मजबूत करने के लिए शासन स्तर से कई महत्वाकांक्षी योजना शुरू हुई। जिसके तहत ब्लॉक और जिला स्तर के अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों को एक–एक विद्यालय गोद दिया गया। उद्देश्य था कि 20 बिंदुओं पर विद्यालयों का समग्र विकास होगा। लेकिन शिक्षा विभाग के आंकड़े बता रहे हैं कि यह योजना पूरी तरह बेअसर साबित हुई।

सम्पादकीय

अलग हुए ट्रंप और मस्क

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी और उनके प्रशासन में डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) अर्थात प्रशासनिक दक्षता विभाग के मुखिया एलन मस्क ने अपने पद को छोड़ने का ऐलान कर दिया है। वैसे भी इस पद पर उनकी नियुक्ति मई के आखिरी तक ही थी, क्योंकि उन्हें श्विशेष सरकारी कर्मचारीश का दर्जा मिला था जिसके तहत हर साल 130 दिनों तक उन्हें संघीय नौकरी में रहने की इजाजत थी। मस्क चाहते तो इस साल की मियाद पूरी कर, अगले साल फिर से इस विशिष्ट सरकारी नौकरी में आने की घोषणा कर सकते थे।पाठकों को याद होगा कि जब ट्रंप ने राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी तो किस तरह एलन मस्क ने लगभग झूमते हुए, छोटे बच्चे को कंधों पर बिठाकर उनके सत्ता में लौटने पर खुशी का इजहार किया था। इसके बाद कई अवसरों पर मस्क अपने बच्चे के साथ ट्रंप के साथ नजर आए, यहां तक कि अमेरिकी राष्ट्रपति के ओवल ऑफिस में भी जूनियर मस्क ने ट्रंप को यह कह दिया था कि ये मेरे पापा का ऑफिस है। लेकिन हाल की कुछ घटनाओं में सामने आया कि डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क के परस्पर संबंधों में कुछ तनाव बढ़ा है। और पहले जैसी गर्मजोशी और शायद विश्वास की बात अब नहीं रही, इसलिए ट्रंप से मस्क ने किनारा कर लिया है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर मस्क ने लिखा, श्विशेष सरकारी कर्मचारी के रूप में मेरा तय समय पूरा होने पर, मैं राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने मुझे फालतू खर्च को कम करने का मौका दिया। बताया जा रहा है कि पिछले हफ्ते ट्रंप प्रशासन द्वारा लाए बजट विधेयक में मस्क को खामियां दिखी थीं, जिसका खुला इजहार उन्होंने किया था। बहुत कम अंतर के साथ यूएस हाउस ऑफ रेप्रेजेंटेटिव्स ने बजट विधेयक पास किया है, अब यह सीनेट के पास जाएगा। इस विधेयक पर मस्क की राय थी कि इससे संघीय घाटा बढ़ेगा। मस्क के मुताबिक ये विधेयक डीओजीई में किए जा रहे श्कामों को कमजोरश करता है। जबकि इस बजट विधेयक को ट्रंप ने बड़ा और सुंदर बताया था, इस पर मस्क ने कहा था, श्यह बिल बड़ा या सुंदर हो सकता है? मुझे नहीं पता कि ये दोनों हो सकता है। दरअसल विधेयक में चार ट्रिलियन डॉलर के कर्ज की सीमा को बढ़ाने का प्रस्ताव है जिसका मतलब है कि अपने खर्चों के लिए सरकार अधिक कर्ज ले सकती है, मस्क इससे असहमत हैं। उनके इस बयान के बाद से ही लगने लगा था कि ट्रंप प्रशासन और एलन मस्क के बीच दूरियां बढ़ने लगी हैं। लेकिन ये अकेला मामला नहीं है। जिस तरह से मस्क ट्रंप प्रशासन पर हावी हो रहे थे, उससे दूसरे मंत्रियों को उलझन होने लगी थी। खासकर कर्मियों की छंटनी और खर्च कम करने को लेकर मस्क दूसरे मंत्रियों से उलझते रहे। मस्क ने विदेश मंत्री मार्को रुबियो पर विदेश विभाग में पर्याप्त स्टाफ की कटौती करने में विफल रहने का आरोप लगाया। इसी तरह एलन मस्क की परिवहन मंत्री सीन डफी के साथ भी बहस हुई क्योंकि डीओजीआई ने फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन में ट्रैफिक कंट्रोलर्स की संख्या कम करने की कोशिश की, जबकि उनकी संख्या पहले से ही कम है। इस तरह के वाकयों के बाद ट्रंप को डीओजीआई की शक्तियों को परिभाषित करना पड़ा। ट्रंप ने साफ कर दिया कि अब से फैसला लेने का काम मंत्रियों के पास ही होगा और मस्क की टीम का काम सिफ'सलाह देना होगा। ये सीधे–सीधे मस्क को मिली व्यापक शक्तियों को कम करने का कदम था। दरअसल डीओजीआई में मस्क की मनमानी दिखने लगी थी, चाहे विवेक रामास्वामी को बाहर करना हो या देश के लाखों संघीय कर्मचारियों को आधिकारिक सरकारी अकाउंट ईमेल भेज कर पेशकश करना कि उन्हें इस्तीफेः के बदले कई महीनों का वेतन (एकमुश्त रकम) दिया जाएगा। डीओजीआई की तरफ से कर्मचारियों को यह भी निर्देश गया कि वह बताएं कि उन्होंने सप्ताहभर में क्या काम किया। ऐसा न करने पर उन्हें नौकरी से निकालने की बात की गई थी। डीओजीई ने कई ऐसे नवनियुक्त सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त करने का भी आदेश दिया, जो प्रोबेशन पर थे और जिन्हें पूर्ण सिविल सेवा सुरक्षा नहीं मिली थी। हालांकि ऐसे आदेशों को कुछ सरकारी एजेंसियों ने मानने से इंकार कर दिया था, क्योंकि उन्हें कर्मचारियों की जरूरत है। मस्क को साथ जोड़ने पर ट्रंप प्रशासन को बड़ा नुकसान तब भी हुआ जब अमेरिकी सरकार की प्रमुख विदेशी सहायता एजेंसी यूनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डिवेलपमेंट (यूएसएड) को बंद करके उसे विदेश मंत्रालय में शामिल करने ऐलान किया गया। मस्क तो सीधे तौर पर यूएसएड को एक आपराधिक संगठन और कट्टर वामपंथी राजनीतिक मनोवैज्ञानिक अभियान मानते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद से क्यों इतनी बेचैन है सरकार?

वर्षा भम्भाणी मिर्जा

ऑरेशन सिंदूर के बाद सरकार कुछ ज्यादा बेचौन नजर आ रही है। यह बेचौनी कभी मंत्रियों की जुबां से झलकती है तो कभी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषणों से। हाल ही में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने भी अपने साक्षात्कार में जो कहा है, वह इसी बेचौनी को पुष्ट करता है। आखिर प्रधानमंत्री को श्विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करोश और संघप्रमुख को यह कहने की जरूरत क्यों पड़ी कि श्भारत के पास ताकतवर होने के अलावा कोई विकल्प नहीं हैश? फिर यह क्यों कहना पड़ा कि हिन्दू शक्ति को एक होना पड़ेगा? देश क्यों नहीं कहा? कहा तो यह भी जा रहा है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है। सीमांत प्रदेशों में मॉक ड्रिल चलाई जा रही है और सेना एलर्ट मोड में है। जब सीमा पर यूं तनाव बना हुआ है तब जनमानस को तमाम रोड शो और घर–घर सिंदूर बांटने जैसी प्रक्रिया में क्यों उलझाया जा रहा है? क्या यह युद्ध के माहौल को चुनावी उन्माद में बदलने की कोशिश है? आपातकालीन हालात बने रहें और ज्यादा सवाल–जवाब भी ना हों? लिखने–बोलने पर तो गिरफ्तारियों का सिलसिला जारी है ही। फिर वे कौन सी नई परिस्थितियां हैं कि पक्ष–विपक्ष के अन्य नेता तो विदेश में हिंदुस्तान का पक्ष रखने के लिए भेजे गए हैं और देश में किसी रॉकस्टार की तरह रोड शो आयोजित हो रहे हैं ? बेशक 70 और 80 के दशक में लोकप्रिय फिल्मी शैली के संवाद आज भी लोगों में जोश भर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने जब बीकानेर (राजस्थान) की भरी सभा में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कहा कि श्मोदी की नसों में खून नहीं गर्म सिंदूर बह रहा हैश, तब मौजूद लोगों के भीतर जोश का एक ज्वार सा पैदा हो गया था। कुछ तो श्पाकिस्तान को उड़ाना हैश जैसे संवाद बोल रहे थे। लगभग ऐसा ही जोश–ओ–जूनून जैसे कोई सेनापति अपने सैनिकों को युद्ध से पहले देता है। क्या वाकई देश को ऐसे उन्माद की आवश्यकता है? यदि हमारा मकसद अभी पूरा नहीं हुआ तब वो देश जो हमारे नागरिकों को बेड़ियों में बांधकर भेज देता है, व्यापार को मुश्किल बनाए दे रहा है, हमारे विद्यार्थियों को देश निकाला दे रहा है, उनके वीसा इंटरव्यू रद्द कर रहा है ,तब उसके कहने पर हमें युद्ध विराम क्यों करना पड़ा? जाहिर है कि हम ऐसा नहीं चाहते थे? विदेशी सामानों के बहिष्कार की बात क्या इसलिए क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान ने जो किया उसमें चीन का पूरा समर्थन उसे मिला और चीनी सामान हमारे घर–घर तक पहुंच चुका है? यह बेचौनी अब साफ नजर आती है कि दुनिया ने हमारा साथ नहीं दिया और हम उसे सबक सिखाना चाहते हैं। बीकानेर के बाद प्रधानमंत्री ने गुजरात के भुज में जो कहा वह भी गौर करने लायक है– श्हम इतना तय कर लें कि 2047, जब भारत की आजादी के 100 साल होंगे, विकसित भारत बनाने के लिए तत्काल भारत की इकानॉमी को 4 नंबर से 3 नंबर पर ले जाने के लिए अब हम कोई विदेशी चीज का उपयोग नहीं करेंगे। हम गांव–गांव व्यापारियों को शपथ दिलवाएं, व्यापारियों को कितना ही मुनाफा क्यों न हो, आप विदेशी माल नहीं बेचोगे। लेकिन दुर्भाग्य देखिए, गणेश जी भी विदेशी आ जाते हैं। छोटी आंखों वाले गणेश जी आएंगे। गणेश जी की आंखें भी नहीं खुल रही हैं। सचमुच में ऑपरेशन सिंदूर के लिए एक नागरिक के नाते मुझे एक काम करना है। आप घर में जाकर सूची बनाइए कि आपके घर में 24 घंटे में कितनी विदेशी चीजों का उपयोग होता है। आपको पता ही नहीं होता है, आप विदेशी हेयर पिन का भी उपयोग कर लेते हैं, कंघा भी विदेशी होता है, दांत में लगाने वाली जो पिन होती है, वह भी विदेशी घुस गई है, हमें मालूम तक नहीं है। पता ही नहीं है, दोस्तो! देश को अगर बचाना है, देश को बनाना है, देश को बढ़ाना है, तो ऑपरेशन सिंदूर यह सिर्फ सैनिकों के जिम्मे नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर 140 करोड़ नागरिकों की जिम्मेदारी है। आपको याद आता है कि यह मार्मिक अपील सुनी–सुनी सी है। ठीक पांच साल पहले चीन ने पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में हमारे 20 सिपाही शहीद किए थे। तब 15 और 16 जून 2020 की रात चीनी सैनिकों के साथ हिंसक झड़प हुई थी। पांच साल पहले भी ऐसा जुनून दिखाते हुए भारत सरकार ने कई चीनी एप्स पर प्रतिबंध लगाया था। चीनी सामग्रियों के बहिष्कार की बात की थी। आज फिर वही सब क्यों दोहराना पड़ रहा है ? क्यों कोई हल नहीं निकाला गया? अब तो चीन के साथ तुर्किए भी शामिल हो गया है। बार–बार की इन भावनात्मक अपीलों के ठोस नतीजे क्यों नहीं आते? आखिर सरकार ही तो चीनी सामान के भारत में दाखिल होने को रोक सकती हैय या फिर सरकार की अपेक्षा है कि चीन का सस्ता माल भारत आता रहे और लोग सड़कों पर आकर उन वस्तुओं की होली जलाएं। ऐसा तो अंग्रेजों के जमाने में होता था। फिरंगी सरकार सामान लाती थी और आजादी के परवाने उसकी सड़कों पर होली जलाते थे। यह अजीब विरोधाभास है। दो पल ठहरकर यह सोचिए कि छोटी आंखों वाले गणेश जी आएंगे, श्गणेश जी की आंख भी नहीं खुल रही हैश, यह बात अगर विपक्ष के किसी सदस्य ने कही होती तब सत्ता पक्ष की क्या प्रतिक्रिया होती? घर –घर सिंदूर बांटने का ऐलान भी अगर उधर से होता तब भारतीय जनता पार्टी क्या नहीं कहती कि इन्हें न संस्कारों का पता है न ही संस्कृति का, कि सिंदूर पहुंचाने का अर्थ क्या होता है। खैर सरकार बेचौन है और मोहन भागवत का साक्षात्कार भी इसकी तस्दीक करता है। उन्होंने कहा कि हमें बल संपन्न होना ही पड़ेगा। भारत के पास ताकतवर होने के अलावा कोई विकल्प नहीं है और हिन्दू शक्ति को एक होना पड़ेगा। संघ में प्रार्थना की पंक्ति ही है– अजय्यां च विश्वस्य देहीश शक्तिम। यानी इतना सामर्थ्य होना ही चाहिए कि हमें कोई जीत न सके। हमें को संबोधित करते हुए देश नहीं हिंदू शक्ति कहा गया है। उन्होंने बांग्लादेश के लिए भी कहा कि अब वहां के हिंदुओं पर हुए अत्याचार की बात दुनिया भी सुन रही है। इसका जवाब देने के लिए भी सरकार में कोई प्रस्तुत नहीं है कि बांग्लादेश के साथ भारत के संबंध इस हद तक क्यों बिगड़े हैं। हमने चीन और बांग्लादेश को पाकिस्तान वाले प्लेटफॉर्म पर लाकर क्यों खड़ा कर दिया? आखिर हर अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तनाव क्यों है? सरकार की बेचौनी बताती है कि वैश्विक समुदाय से हमें वैसा समर्थन नहीं मिला है जैसी कि अपेक्षा थी। हम अलग पड़ गए इसीलिए पक्ष–विपक्ष के धुरंधर वक्ता चुनकर दुनिया में भेजे गए हैं। संभव है कि भविष्य में इसके अच्छे नतीजे मिलें, लेकिन यह विदेश नीति की खामी और नाकामी कही जाएगी कि हम पीड़ित होकर भी दुनिया को अपने हकः में नहीं कर पाए। प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री लगातार दुनिया के देशों की यात्रा पर रहे हैं। पहले और दूसरे कार्यकाल में तमाम देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ हंसती–बोलती तस्वीरें हमने देखी हैं जिसके नतीजे तीसरे कार्यकाल में मिलने थे। खासकर इस भयावह पहलगाम आतंकी हमले के बाद जिसमें धर्म पूछकर जान ली गई। धार्मिक सौहार्द्र और सद्भाव की बात करने वाले देशों ने क्यों यकीन नहीं किया? बहस होनी चाहिए कि हम कहां चूके? संसद सही जगह हो सकती है। चाणक्य के कूटनीतिक विचार साम (शांतिपूर्ण तरीके से किसी विवाद को सुलझाना) और दाम (धन या उपहार से किसी का समर्थन लेना) को पार कर हम दण्ड पर आ गए हैं? पाकिस्तान के लिए तो यह सर्वथा उपयुक्त है लेकिन बांग्लादेश और चीन? इस खूनी नरसंहार के बाद दुनिया हमारे साथ क्यों नहीं आई? यहां हम नाकाम क्यों हुए? सरकार को इसका जवाब देना चाहिए।

हिंदी पत्रकारिता : दो सदी पर खड़े कुछ अहम सवाल

अरविंद कुमार सिंह

30 मई 1826 को बंगलाभाषी कोलकाता से हिन्दी का पहला अखबार श्उदन्त मार्तण्डश 500 प्रतियों के साथ आरंभ हुआ। केवल 79 अंक निकले और इसका जीवनकाल एक साल सात माह रहा। 4 दिसम्बर 1826 को यह बंद भी हो गया। इसके संस्थापक पं. युगलकिशोर शुक्ला ने हिन्दी पत्रकारिता की आदि प्रतिज्ञा निर्धारित की, शहिन्दुसस्तारनियों के हित हेतुश। 1976 में आपातकाल के दौरान जब इसके प्रकाशन का 150 साल हो रहा था तो लखनऊ में हजारी प्रसाद द्विवेदी के अध्यक्षता में पत्रकारों के जमावड़े के बीच 30 मई को पत्रकारिता दिवस मनाने का फैसला हुआ। तब से अब तक हिंदी हिंदी पत्रकारिता का जमीनी आधार बहुत मजबूत हो चुका है। हिंदी में नए अखबारों के साथ स्थापित अखबारों के नए संस्करण निकल रहे हैं। वेतन और सुविधाओं के मामले में हिंदी पत्रकारों की दशा पहले से बेहतर हुई हैं। इलेक्ट्रानिक मीडिया के विस्तार के बावजूद हिंदी और भाषाई अखबारों का प्रसार बढ़ता जा रहा है। चौनलों और सोशल मीडिया के प्रवाह के बाद भी खबरों को विस्तार से जानने का सबसे भरोसेमंद साधन हिंदी और भाषाई अखबार ही बने हुए हैं। अधिकतर चौनल और सोशल मीडिया पर भी हिंदी और भारतीय भाषाएं ही मजबूत हैं। देश की राजधानी रहने के कारण कोलकाता 5 भाषाओं की पत्रकारिता का प्रारंभिक केंद्र रहा। अंग्रेजी पत्रकारिता (1780), बांग्ला पत्रकारिता (1818), उर्दू और फारसी पत्रकारिता (1822) में आरंभ हुई। पर हिन्दी पत्रकारिता का अजीब दुर्भाग्या यह रहा कि पं. युगलकिशोर शुक्ल8 का कोई चित्र भी नहीं मिलता। सप्रे संग्रहालय के संस्थापक विजयदत्त श्रीधरजी ने इस विषय पर काफी काम किया है। उनका कहना है कि कुछ लोगों ने आचार्य शिवपूजन सहाय के चित्र को शुक्ला जी के चित्र के रूप में प्रसारित कर रखा है। यह खुशी की बात है कि माधवराव सप्रे स्मृति समाचारपत्र संग्रहालय एवं शोधा संस्थानि उदन्ते मार्त्तण्ड की द्वि शताब्दी् समारोह श्रृंखला 21 जून, 2025 से आरंभ कर रहा है जो 30 मई, 2026 तक चलेगा। आजादी के पहले भारत में किसी हिंदी अखबार की प्रसार संख्या 30 हजार से ज्यादा नहीं थी आज इनका व्यापक प्रसार है। विशुद्ध क्षेत्रीय माने जाने वाले कई अखबार चाहे वे कहीं से निकल रहे हों, उन्होंने राष्ट्रीय कहे जाने वाले अखबारों को भी पीछे छोड़ दिया है।

ग्रामीण अंचलों में उनकी जड़ें मजबूत हैं। हिंदी पत्रकारिता ही नहीं विश्व पटल पर हिंदी की हैसियत भी इतनी बढ़ चुकी है कि10 जनवरी, 2006 के बाद से विश्व हिंदी दिवस भी मनाया जा रहा है। दुनिया के कई विश्वविद्यालयों में हिंदी पढ़ाई जा रही है और तमाम बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपने लोगों को हिंदी सिखा रही हैं। अपनी शक्ति के कारण ही हिंदी विश्व में बोली जाने वाली तीसरी सबसे प्रमुख भाषा बन सकी है। अंग्रेजी और मंदारिन के बाद हिंदी का स्थान है। फिर स्पेनिश और फ्रेंच का। पहले शिकायतें होती थी कि हमारे नेता हिंदी में नहीं बोलते हैं, लेकिन अब ये बात भी नहीं है। भारत 120 करोड़ मोबाइल फोन धारकों के साथ दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा दूरसंचार बाजार है। गरीब की झोपड़ी से लेकर अट्टालिकाएं तक संचार और सूचना क्रांति से आलोकित हैं। भारत में इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 94.49 करोड़ तक पहुंच गयी है। इस ताकत पर भी हिंदी की शक्ति में काफी इजाफा हुआ है। हिंदी भाषी इलाकों में साक्षरता की दर तेजी से बढ़ी है लिहाजा बड़ा पाठक वर्ग, दर्शक या श्रोता इससे जुड़ रहे हैं। अंग्रेजी के कई नामी पत्रकारों और दिग्गज नेताओं और मंत्रियों को भी हिंदी अखबारों में छपने का मोह प्रायरू दिखता रहता है। विभिन्न माध्यमों के विस्तार के बाद भी हिंदी अखबारों और पत्रिकाओं की हैसियत काफी अधिक है।

जन्म प्रमाण पत्र आधार कार्ड,पैन कार्ड,स्टाम्प पेपर बनाने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह के गैंगलीडर सहित दो गिरफ्तार

रियल न्यूज

बरेली–थाना भोजीपुरा पुलिस टीम व एसओजी बरेली टीम को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम दोहरिया पचदौरा में मौ० फहीम उर्फ गुड्डू पुत्र भिन्डू खां व जिया उल मुस्तफा पुत्र शफीक आलम निवासीगण दोहरिया पचदौरा थाना भोजीपुरा बरेली द्वारा अजहरी जन सेवा केन्द्र एण्ड आधार कार्ड केन्द्र से केन्द्र से संचालन करते है जिनके द्वारा अनुचित लाभ कमाने के उद्देश्य से जनसाधारण के साथ धोखाधडी कर फर्जी आधार कार्ड प्रमाण पत्र व स्टाम्प पेपर बनाते है प्राप्त सूचना पर थाना भोजीपुरा व एसओजी टीम द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए ग्राम दोहरिया पचदौरा से अजहरी जन सेवा केन्द्र एण्ड आधार कार्ड केन्द्र से केन्द्र संचालक मौ० फहीम उर्फ गुड्डू पुत्र भिन्डू खां जिया उल मुस्तफा पुत्र शफीक आलम निवासीगण पचदौरा दोहरिया थाना भोजीपुरा,बरेली को प्रातः 7.05 बजे फर्जी साईट मैन्युअल वतह.`चंबम के द्वारा लैपटाप, प्रिन्टर,पीवीसी कार्ड मशीन,मानीटर,सीपीयू,स्कैनर, आइरिस कैमरा,वैव कैमरा,फिगर प्रिन्ट मशीन,थम स्कैनर आदि उपकरणो के माध्यम से फर्जी जाति प्रमाण पत्र यूपी व झारखण्ड,आय प्रमाण पत्र,मार्कशीट यूपी व बिहार बोर्ड,निवास प्रमाण पत्र दिल्ली व यूपी,जन्म प्रमाण पत्र व आधार कार्ड,पैन कार्ड,स्टाम्प पेपर बनाते हुए गिरफ्तार किया गया जिनके कब्जे से 01 लैपटॉप,एक पीवीसी कार्ड मशीन कम्पनी

डाटा कार्ड एक मानिटर कम्पनी सैमंसग,एक सीपीयू कम्पनी एचपी, दो प्रिन्टर ध् स्कैनर कैनन कम्पनी,एक प्रिन्टर एपसन कम्पनी,एक आइरिस कैमरा एक वैव कैमरा,कैमरा स्टैन्ड,एक बडी फिगर प्रिन्ट मशीन कम्पनी मंतरा,दो छोटी थम स्कैनर कम्पनी मंतरा,दो कैमरा सीपी पल्स कम्पनी,03 मोबाईल फोन, 20 फर्जी जन्म प्रमाण पत्र 15 फर्जी निवास प्रमाण पत्र,05 फर्जी आय प्रमाण पत्र, 15 फर्जी स्टाम्प पेपर,01 बिहार बोर्ड कक्षा 10 की फर्जी मार्कशीट, 06 यूपी बोर्ड कक्षा 10 की फर्जी मार्कशीट, 20 फर्जी आधार कार्ड, 02 पैन कार्ड, 44 ब्लैंक प्लास्टिक आधार कार्ड 01 फर्जी वोटर आईडी आदि अन्य समान बरामद किया गया है अभियुक्तो द्वारा फर्जी कागजात तैयार करने में प्रयोग की जा रही साईट का उंदनंस वतहे.चंबम साईट को खोलकर चौक किया गया तो उक्त प्रोफाईल पर गुड्डू के नाम पर अंकित होना पायी गयी गहन जांच करने पर पाया कि अभियुक्तो द्वारा उक्त साईट से 93 यूपी जन्म प्रमाण पत्र नया प्रारुप व कुल 86 यूपी जन्म प्रमाण पत्र पुराना प्रारुप कुल 300 यूपी निवास प्रमाण पत्र, 06 यूपी बोर्ड कक्षा 10 व 01 बिहार बोर्ड कक्षा 10 की मार्कशीट, 02 यूपी जाति प्रमाण पत्र, झारखण्ड के 04 जाति प्रमाण पत्र दिल्ली के 06 निवास प्रमाण पत्र तैयार किये गये है बरामदगी के आधार पर गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध मु०अ०सं० 485ध्2025 धारा 317(4)ध्338ध्336(3)ध्340 (2) ठछै व धारा 36 आधार कार्ड अधि० पंजीकृत कर अग्रेत्तर कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तो के आपराधिक इतिहास के बारे में जानकारी की जा रही है अभियुक्त मौ० फहीम उर्फ गुड्डू पुत्र भिन्डू खां निवासी ग्राम पचदौरा दोहरिया थाना भोजीपुरा जिला बरेली ने पूछने पर बताया कि में वर्ष 2012 से 2019 तक व वर्ष 2023 से 2024 तक बडोदा उ०प्र० ग्रामीण बैंक भोजीपुरा में आधार कार्ड बनाने का काम करता था शुरु मे मुझे 10500 रु वेतन मिलता था फिर बाद में एक नये आधार कार्ड पर 18 रुपये व आधार कार्ड अपग्रेड पर 13 रुपये कमीशन मिलने लगा मैने किसी आधार कार्ड बनवाने वाले व्यक्ति से 100 रुपये ले लिये थे जिसकी शिकायत UIDAI (यूनिक आईडेन्टीटीफिक्शेन आथरिटी आफ इंडिया) द्वारा संस्पेंड कर दिया गया था तो मैने ग्राम पचदौरा दोहरिया में अजहरी जनसेवा केन्द्र एण्ड आधार कार्ड केन्द्र नाम से दुकान कर ली इस दुकान पर मैने अपने साथ जियाउलमुस्तफा पुत्र शफीक आलम निवासी पचदौरा दोहरिया थाना भोजीपुरा जिला बरेली को भी काम पर लगा लिया हम दोनो मिलकर आनलाईल साईट डंदनंस वतहे.चंबम से बार कोड द्वारा रिचार्ज कर फर्जी जाति प्रमाण पत्र यूपी व झारखण्ड,आय प्रमाण पत्र मार्कशीट यूपी व बिहार बोर्ड,निवास प्रमाण पत्र दिल्ली व यूपी,जन्म प्रमाण पत्र व आधार कार्ड, पैन कार्ड, स्टाम्प पेपर आदि कागजात तैयार करने लगे एक फर्जी प्रमाण पत्र तैयार करने के हम 300 से 800–900 रुपये तक ले लेते है। एक दिन मै 6 से 7 फर्जी दस्तावेज तैयार कर लेते है। 100 रुपये के रिचार्ज से साईट से 6–7 दस्तावेज तैयार हो जाते है जिससे हमे एक महीने मे लाखो की बचत हो जाती है अब तक हम दोनो ने मिलकर लगभग 650 फर्जी दस्तावेज तैयार किये होगें। जियाउलमुस्तफा ने बताया कि मै इंटर करने के बाद नीट की तैयार कर रहा था। पिछले 6 महीने से मैं अपने ही गांव के मौ० फहीम के साथ उसके जनसेवा केन्द्र पर काम सीख कर वही काम कर रहा था जो भी बचत होती थी उसे हम दोनो खर्चा काटकर बांट लेते थे

बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा की तैयारियों को लेकर डीएम ने की समीक्षा बैठक, दिए आवश्यक निर्देश

—संवाददाता

बाराबंकी।रविवार को सम्पन्न होने वाली बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा 2025 की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने शुक्रवार को सम्बंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। जिलाधिकारी ने निर्देश देते हुए कहा कि सम्बन्धित अधिकारी यह सुनिश्चित कर ले कि बीएड प्रवेश परीक्षा 2025 पारदर्शी तरीके से पूर्णतः नकल विहीन सम्पन्न हो, किसी भी प्रकार की कोई गड़बड़ी न हो। डीआईओएस ओपी त्रिपाठी ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 01 जून दिन रविवार 2025 को आयोजित होने वाली बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा में कुल 3120 परीक्षार्थी शामिल होंगे, इसके लिये जिले में, राजकीय बालिका इंटर कालेज बाराबंकी, राजकीय इंटर कालेज बाराबंकी, अजीमुद्दीन अशरफ इस्लामिया इंटर कॉलेज बाराबंकी, जवाहरलाल नेहरु मेमोरियल पीजी कॉलेज बाराबंकी, राजकीय पॉलिटेक्निक जहाँगीराबाद, जमील उर रहमान किदवई इस्लामिया गर्ल्स इंटर कालेज बाराबंकी, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज सतरिख सहित कुल 07 परीक्षा केंद्र बनाए गए है। उक्त केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाएगी। साथ ही परीक्षा को नकल विहीन एवं पारदर्शिता से कराने के लिये

प्रति दो परीक्षा केंद्रों हेतु एक केंद्र प्रतिनिधिध्सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर पर स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई। बीएड प्रवेश परीक्षा आगामी 01 जून को दो पालियों में प्रथम पाली प्रातः 09 बजे से 12 बजे तक और द्वितीय पाली दोपहर 02 बजे से शाम 05 बजे तक आयोजित की जायेगी।

परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने हेतु आवश्यक सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी है। इस अवसर पर बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी के नामित नोडल अधिकारीगण, अपर जिलाधिकारी अरुण कुमार सिंह, प्रशिक्षु आईएसए तेजस के., अपर पुलिस अधीक्षक, जिला विद्यालय निरीक्षक ओ पी त्रिपाठी सहित सम्बन्धित अधिकारीगण मौजूद रहे।

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर भारतीय इतिहास की महान शासिका थीं: राजरानी रावत

—संवाददाता

फतेहपुर बाराबंकी।भारतीय इतिहास की महान शासिका लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी जन्म वर्ष पर भारतीय जनता पार्टी फतेहपुर पदाधिकारियों द्वारा शुक्रवार को कस्बे के बाबा मैरिज लॉन रामनगर रोड पर बुद्धिजीवी विचार गोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर भाजपा नेत्री राजरानी रावत ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि अहिल्याबाई होल्कर कभी कोई युद्ध नहीं हारीं और उन्होंने धर्म—संस्कृति के संरक्षण और पुनरुत्थान के लिए अद्वितीय कार्य किए। काशी विश्वनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण से लेकर मणिकर्णिका घाट, हरिद्वार, प्रयाग, अयोध्या, सोमनाथ, श्रीसैलम जैसे स्थलों पर धार्मिक निर्माणों में उनका अमूल्य योगदान रहा। उन्होंने बताया कि देश के कोने—कोने में आज भी लोग लोकमाता को श्रद्धा से स्मरण करते हैं, और कई स्थानों पर उनकी प्रतिमाएं स्थापित की जा चुकी हैं।

गोष्ठी में शर्मा ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर ने महिला सशक्तिकरण, किसान कल्याण, कारीगरों के विकास और आर्थिक मजबूती के क्षेत्र में भी ऐतिहासिक कार्य किए।

माहेश्वरी ब्रांड की शुरुआत कर उन्होंने हजारों कारीगरों को रोजगार से जोड़ा और माहेश्वरी साड़ी को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई। उन्होंने बताया कि 300 वर्ष पूर्व ही अहिल्याबाई ने क्रॉप डायवर्सिफिकेशन जैसी योजनाओं को अपने राज्य में लागू कर किसानों को सशक्त किया।

इस अवसर पर जिला महामंत्री शील रतन मिहिर,अंजू चंद्रा ,मंडल अध्यक्ष रंजीत लोधी, पूर्व मंडल अध्यक्ष गिरधर गोपाल गुप्ता, अनुपम निगम,बाबा हेमंत दास,अधिशासी अधिकारी संध्या मिश्रा,राजेश जायसवाल अंशुमान मिश्रा, नदीम अहमद,अरुण कुमार,अंकित जोशी, आफताब आलम समेत आदि लोग मौजूद रहे।

तहसील फतेहपुर सभागार में सम्पन्न हुई शांति समिति की बैठक

—संवाददाता

फतेहपुर बाराबंकी ।तहसील फतेहपुर सभागार में आगामी त्योहार बकरा ईद के सम्बन्ध में उपजिलाधिकारी फतेहपुर की अध्यक्षता में पीस कमेटी शांति समिति की बैठक हुई जिसमें कस्बा व गांव के संभ्रांत लोग उपस्थि रहे।

बैठक में बकरा ईद में संबंध में अधिकारियों द्वारा जरूरी दिशा निर्देश दिए गए लोगो ने अपनी अपनी समस्याओं को अधिकारियों के सामने रखा अधिकारियों ने समस्याओं के निस्तारण के साथ त्योहार को शांति पूर्ण ढंग से मनाने की अपील की बैठक में सी ओ फतेहपुर जगत राम कनौजिया, एस डी ओ बिजली शम्भु नाथ, नायब तहसीलदार फतेहपुर अंकिता पांडेय, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली फतेहपुर डी के सिंह , चेयरमैन फतेहपुर इरशाद अहमद कमर , मौलाना मुजीबुर्रहमान , मोहम्मद सुल्तान, विजय राम जायसवाल, सचिन कुमार, नफीस अहमद, मोहम्मद इकराम, शाकिर बेहलीमी सहित काफी संख्या में क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जनपद बहराइच थाना रिसिया क्षेत्र अंतर्गत भगवानपुर का मामला सामने आया है पीड़ित महिला ने लगाया आरोप थाने पर नहीं हो रही सुनवाई

खास रिपोर्ट रामेश्वर सिंह भदोरिया हिंदी राष्ट्रीय समाचार पत्र जनता का साथ ब्यूरो चीफ

बहराइच। पीड़ित महिला की शादी पिछले 5 वर्ष पूर्व हुई थी जिसमें पीड़ित महिला के ससुराल वाले पीड़ित महिला को मारते पीटते हैं और जब घर वाले आते हैं बचाने के लिए तो उन पर भी हमला बोल देते हैं उत्तर प्रदेश सरकार में जहां महिला सुरक्षा अभियान चलाया जा रहा है वहीं महिलाओं के

साथ कितना बड़ा अन्याय हो रहा है सुनते हैं वीडियो में क्या कह रही है महिला जिस में ग्राम प्रधान भी अपनी भूमिका निभा रहे हैं सुला समझौता कर रहे हैं थाने पर पीड़ित महिला को नहीं मिल रहा है न्याय पीड़ित महिला का कहना है कि उसका पति सुल्तान आए दिन उसको मारता पिटता है क्या सरकार का महिला सुरक्षा कारण अभियान अधूरा रहे गा आखिरकार पीड़ित महिला की रसिया थाने पर क्यों नहीं हो रही सुनवाई 5 साल शादी बीत जाने के बाद अब महिला से जहेज की मांग कर रहा है कह रहा है कि हमको जहेज में बुलेट गाड़ी दी जाए।

डा. प्रज्ञा त्रिपाठी ताइक्वांडो एसोसिएशन बहराइच की चेयरमैन मनोनीत

जनता का सच राष्ट्रीय समाचार पत्र ब्यूरो चीफ रामेश्वर सिंह भदोरिया

बहराइच। स्टेट ताइक्वांडो एसोसिएशन के सचिव डॉ रजत दीक्षित ने एमएलसी डॉक्टर प्रज्ञा त्रिपाठी को जिला ताइक्वांडो एसोसिएशन बहराइच का अध्यक्ष मनोनीत किया है। इस मनोनयन की जानकारी संगठन के जिला सचिव इसरार अली ने दी है।मालूम हो कि एमएलसी डॉक्टर प्रज्ञा त्रिपाठी के जिला ताइक्वांडो एसोसिएशन बहराइच का अध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर संगठन के

सचिव इसरार अहमद के नेतृत्व में ताइक्वांडो की महिला खिलाड़ियों ने उन्हें बुके भेंट कर उनका स्वागत किया।ज्ञात हो कि जिला ताइक्वांडो एसोसिएशन बहराइच,यूपी ताइक्वांडो एसोसिएशन और यूपी ओलंपिक एसोसिएशन से संबंध है।बहराइच की ताइक्वांडो टीम में 90 प्रतिशत महिला खिलाड़ियों की महत्वपूर्ण भूमिका है जो इस खेल में अपनी प्रतिभा दिखा रही हैं।प्रदेश सरकार भी महिलाओं को सशक्त बनाने और आत्मरक्षा के साथ आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए प्रेरित कर रही है।ताइक्वांडो आत्मरक्षा के लिए एक बेहतर साधन माना जाता है ऐसी स्थिति में बहराइच ताइक्वांडो एसोसिएशन का अध्यक्ष डॉक्टर प्रज्ञा त्रिपाठी को बनाए जाने पर महिला खिलाड़ियों में हर्ष का माहौल है।

बकरीद को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

स्टेट ब्यूरो अब्दुल नासिर जनता का समाचार पत्र

नानपारा। आगामी बकरीद के त्यौहार के मद्देनजर नानपारा कोतवाली परिसर में बुधवार को उपजिलाधिकारी लालधर यादव की अध्यक्षता में पीस कमेटी की बैठक आहूत की गई जिसमें त्यौहार को सकुशल एवं सौहार्द्रपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में थाना क्षेत्र के मुस्लिम एवं हिन्दू बंधुओं ने एक स्वर से संकल्प लिया कि हम इस कार्य में पुलिस के साथ हैं। उपस्थित लोगों से बकरीद त्योहार से संबंधित जानकारी लेकर संबोधित करते हुए सीओ प्रधुम्न कुमार सिंह ने कहा कि आप लोग शांतिपूर्ण एवं सौहार्द्र के माहौल में त्यौहार मनायें।किसी भी तरह का ना तो अफवाह फैलाये और ना ही इस पर ध्यान दें।अगर कोई भी व्यक्ति इस तरह का कार्य कर रहा है तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें।कहा कि कोई भी मुस्लिम बंधु त्योहार में प्रतिबंधित पशुओं की कुर्बानी नही देंगें। उक्त बैठक में प्रभारी निरीक्षक रामाज्ञा सिंह, भाजपा नगर अध्यक्ष रेखा पांडे,पंकज जायसवाल, सभासद छत्रपाल वर्मा, कांवरिया संघ के बबलू सिंह, जगत राम पटेल सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

जीरो पावर्टी लाइन में सूचीबद्ध शत–प्रतिशत लाभार्थियों का बनाएं गोल्डेन कार्ड: डीएम

जनता का सच राष्ट्रीय समाचार पत्र स्टेट ब्यूरो अब्दुल नासिर

बहराइच। स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा हेतु बुधवार को देर शाम कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति के शासी निकाय की बैठक के दौरान जिलाधिकारी मोनिका रानी ने गत बैठक में दिये गये निर्देशों की अनुपालन आख्या पर संतोष व्यक्त करते हुए माह अप्रैल में संचालित कार्यक्रमों की बिन्दुवार समीक्षा की।

आयुष्मान भारत के अन्तर्गत गोल्डेन कार्ड की समीक्षा के दौरान नोडल अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि माह मई में अभियान चलाकर 7568 कार्ड बनाये गये। प्रदेश में माह मई में गोल्डेन कार्ड बनाने में छठा एवं मण्डल

में प्रथम स्थान है। गोल्डेन कार्ड की प्रगति में अपेक्षित सुधार पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए डीएम ने पात्र व्यक्तियों के निरन्तर कार्ड बनाये जाने का निर्देश दिया। साथ ही जीरो पावर्टी लाइन में सूचीबद्ध लाभार्थियों का गोल्डेन कार्ड बनाये जाने का निर्देश दिया।

नियमित टीकाकरण की समीक्षा के दौरान निरन्तर प्रगति बनाने एवं शत–प्रतिशत बच्चों का टीकाकरण कराने हेतु निर्देश दिया गया। साथ ही बाढ़ प्रभावित विकास खण्डों में गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों को प्राथमिकता के आधार पर टीकाकरण एवं अन्य चिकित्सकीय सुविधाएं प्रदान करने का निर्देश दिया। 102ध्108 राष्ट्रीय एम्बुलेन्स सेवा की समीक्षा में सभी एम्बुलेन्स की जांच कर रिपोर्ट प्रेषित करने का निर्देश दिया गया। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस की समीक्षा में निःशुल्क अल्ट्रासाउण्ड परीक्षण हेतु ई–रूपी वाउचर हेतु जनपद के 58 अल्ट्रासाउण्ड सेन्टर में से मात्र 27 अल्ट्रासाउण्ड सेन्टर का पंजीकरण होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए समस्त 58 सेन्टरों को इस योजना अन्तर्गत रजिस्टर्ड करने हेतु निर्देशित किया।

राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत अधिक से अधिक संभावित लक्षणयुक्त मरीजों की जांच करने एवं समय से दवाएं उपलब्ध कराने हेतु निर्देश दिया गया। पोषण हेतु इलाज के दौरान मिलने वाली रू. 1000=00 की धनराशि माह मई में न भेजे जाने के कारण अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए 01 सप्ताह में नियत धनराशि लाभार्थियों के खातों में हस्तान्तरित करने का निर्देश दिया। एफ.आर.यू. की समीक्षा के दौरान माह मई में लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए समस्त सुविधाएं चाक चौबन्द रखने का निर्देश दिया।

हेल्थ ए.टी.एम. की समीक्षा में ज्ञात हुआ कि 05 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर हेल्थ ए.टी.एम. सुचारू रूप से क्रियान्वित नहीं हैं। डीएम ने इन्हें तत्काल ठीक कराने का निर्देश दिया एवं समय से ठीक न करने की दशा में सम्बन्धित कम्पनी के विरूद्ध कार्रवाई करने का निर्देश दिया तथा जांच हेतु स्ट्रीप की उपलब्धता बनाये रखने का निर्देश दिया। वी.एच.एस.एन.डी. दिवस पर अधिकतर सत्रों पर वजन मशीन, इन्फेन्ट्रोमीटर की अनउपलब्धता पर नाराजगी व्यक्त करते हुए ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता समिति के माध्यम से उपकरण क्रय करने का निर्देश दिया। डीएम ने कहा कि सत्र के अवसर पर सभी आवश्यक लाजिस्टिक की उपलब्धता सुनिश्चित करायी जाय। इसके साथ कुष्ठ रोग अभियान, आर.बी.एस.के., जननी सुरक्षा योजना, किशोरी स्वास्थ्य कार्यक्रम आदि की समीक्षा करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र, सीएमओ डॉ संजय शर्मा, सीएमएस एम.एम. पाण्डेय, डीपीएम सरजू खां, डीपीओ राज कपूर, बीएसए आशीष कुमार, डीएचआईओ बृजेश सिंह, क्षयरोग अधिकारी एम.एल. वर्मा, एमओवाईसी सहित विभिन्न कार्यक्रमों के नोडल अधिकारी, प्रभारी चिकित्साधिकारी, बीसीपीएम, बैम, डैम तथा अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा थाना कोतवाली नगर स्थित नवीनी त प्रभारी निरीक्षक कक्ष का उदघाटन किया गया तथा आगामी त्यौहार बकरीद के दृष्टिगत पीस कमेटी की मीटिंग की गई

जिला ब्यूरो चीफ रामेश्वर सिंह भदोरिया

बहराइच। आज दिनांक 29.05.2025 को पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा थाना कोतवाली नगर स्थित नवीनीकृत प्रभारी निरीक्षक कक्ष का फीता काटकर किया गया उद्घाटन जिसका मुख्य उद्ददेश्य क्षेत्र की आमजनता जो अपनी समस्याओं

को लेकर थाना कोतवाली नगर आती है उनकी समस्याओं को प्रभारी निरीक्षक को0 नगर द्वारा ससम्मान सुना जा सके, यह आमजन से संवाद कर विश्वास स्थापित करने का उचित माध्यम है। उद्घाटन के उपरान्त महोदय द्वारा आगामी त्यौहार बकरीद के दृष्टिगत थानाक्षेत्र के सम्भ्रान्त व्यक्तियों, धर्मगुरुओं व जनप्रतिनिधियों के साथ पीस कमेटी की मीटिंग की गई तथा आपसी सौहार्द बनाये रखते हुये त्यौहार को सकुशल व शान्तिपूर्वक सम्पन्न कराने की अपील की गई। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री रामानन्द कुशवाहा, क्षेत्राधिकारी नगर श्री पहुप सिंह, प्रभारी निरीक्षक को0 नगर तथा पत्रकार बन्धु भी उपस्थित रहे।

बहराइच के रूपईडीहा राष्ट्रीय राजमार्ग पर कोतवाली नानपारा क्षेत्र के मेहरबान नगर के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ

जनता का सच राष्ट्रीय समाचार पत्र ब्यूरो चीफ रामेश्वर सिंह भदोरिया

बहराइच। जानकारी अनुसार दवा लेकर लौट रहे दंपति की साइकिल को एक प्राइवेट बस ने टक्कर मार दी। हादसे में 55 वर्षीय रामा देवी की मौके पर मौत हो गई, जबकि उनके पति मिश्रीलाल गंभीर रूप से घायल हो गए।

बल्दीरामपुरवा पतरहिया के कुट्टी निवासी मिश्रीलाल अपनी पत्नी के साथ बहराइच दवा लेने गए थे। लौटते समय वे रिश्तेदार के यहां रुके और शाम करीब 5.30 बजे सड़क पार कर रहे थे, तभी तेज रफ्तार बस ने उन्हें टक्कर मार दी। मिश्रीलाल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने पहुंचकर यातायात सामान्य किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

मोरादाबाद से हुआ यूपी निर्यात वृद्धि अभियान' का शुभारंभ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम और इंडिया एसएमई फोरम के संयुक्त प्रयास से 'उत्तर प्रदेश निर्यात वृद्धि अभियान' की शुरुआत की गई है। इस ऐतिहासिक अभियान का उद्देश्य राज्य के 500 सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को सशक्त बनाना है, विशेष रूप से हस्तशिल्प, हथकरघा और होम डेकोर क्षेत्रों में पहली बार निर्यातक बनने में सहायता प्रदान करना।यह अभियान एक समग्र क्षमतावर्धन कार्यक्रम है, जो डैड की निर्यात क्षमता को साकार करने के लिए एक तीन–चरणीय संरचित प्रक्रिया अपनाता है, जिसमें शामिल हैंः व्यावहारिक प्रशिक्षण और व्यक्तिगत मेंटरशिप उत्पाद विकास, पैकेजिंग और ब्रांडिंग पर विशेषज्ञ मार्गदर्शन अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जुड़ाव और खरीदार डेटा तक पहुँच ई–कॉमर्स मंचों का उपयोग और वैश्विक प्रदर्शनियों में भागीदारी पहली बार निर्यातकों के लिए सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने में सहायता उत्तर प्रदेश निर्यात वृद्धि अभियान का लक्ष्य नवाचार, स्थिरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार एक डैडम् इकोसिस्टम तैयार करना है। यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय व्यापार का गहन समझ देने के साथ एक मजबूत बायर–सेलर नेटवर्क तैयार करने में मदद करेगा, जिससे राज्य में आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को बल मिलेगा। आलोक कुमार प्रमुख सचिव एमएसएमई ने क्षेत्र को मिल रही अभूतपूर्व प्राथमिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहाः"आप किसी भी ऐसे विकसित देश को देखेंगे जिसने 25–30 वर्षों में तेजी से प्रगति की है, वहां दो मुख्य स्तंभ देखने को मिलते हैंकृ पहला, उन्होंने निर्यात के क्षेत्र में अद्भुत प्रगति की है, दूसरा, उनका डैडम् क्षेत्र अत्यंत सक्रिय और जीवंत रहा है। ये दोनों एक–दूसरे के पूरक हैं।" राज कमल यादव प्रबंध निदेशक ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रमुख सचिव आलोक कुमार के नेतृत्व में सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

ऑपरेशन सिंदूर में सशस्त्र सेनाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन : अशोक गोयल

लखनऊ। आज प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी पूर्व सैनिक विभाग के चेयरमैन एयर मार्शल (रिटा0) अशोक कुमार गोयल ने प्रेसवार्ता को सम्बोधित किया। प्रेसवार्ता में पूर्व सैनिक विभाग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन सुभाष मिश्र, जय प्रकाश सिंह, डी0 एन0 सिंह, अमर बहादुर सिंह, अवधेश सिंह, रवि प्रताप सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी पूर्व सैनिक विभाग के चेयरमैन एयर मार्शल (रिटा0) अशोक कुमार गोयल ने मीडिया को सम्बोधित करते हुए बताया कि भारतीय सेना ने 6ध्7 मई से 10 मई तक कुल चार दिनों में स्वदेशी हथियारों,मिसाइलों से पाकिस्तानी सेना को घुटने टेकने पर विवश कर दिया। भारतीय सेना ने 6ध्7 मई की रात्रि में पाकिस्तान में स्थित 9 आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूत कर दिया, के रिटैलियेट में पाकिस्तानी सेना ने तोपों, मोर्टारों, ड्रोन, मिसाइलों यहां तक कि चीन द्वारा दिए गए फाइटर जेट से भारतीय सेना पर हमला कर दिया, के जवाब में भारतीय वायु सेना ने पाकिस्तान के 11 एयरबेस को नेस्तनाबूत कर दिया। एयरमार्शल (रिटा0) अशोक कुमार गोयल ने कहा कि भारतीय सेना किसी भी विदेशी आक्रमण को नेस्तनाबूत करने में सक्षम है। जिसका उदाहरण 1965,71 के भारत–पाक युद्ध में पाकिस्तानी सेना के अमेरिका द्वारा उपलब्ध कराए गए पैटन टैंक,सैबर जेट फाइटर जेट को युद्ध भूमि में उसके पचखरे उड़ा दिए। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी देश पर किसी भी विदेशी आक्रमण,खतरे की स्थिति में भारत सरकार के साथ में खड़ी है। साथ ही उन्होंने लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा उठाए गए निम्नलिखित बिन्दुओं पर भारत सरकार से स्पष्टीकरण की मांग की प्रधानमंत्री जी संसद का विशेष अधिवेशन बुलाए, जैसा कि 1962 भारत चीन युद्ध में आहूत हुआ था। 1965ध्71 भारत–पाक युद्ध के दौरान भी हुआ था। वायु सेना अध्यक्ष द्वारा वायु सेना के 42 स्क्वैडन की क्षमता को पूरा करने का युद्ध स्तर पर क्या प्रयास सरकार द्वारा किया जा रहा है। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में दिनांक 22 अप्रैल 2025 को 4 तथाकथित विदेशी आतंकवादियों द्वारा 26 निर्दोष पर्यटकों की नृशंस हत्या की गई वे अब तक क्यों नहीं पकड़े गए। भारत के प्रधानमंत्री द्वारा भारतीय वायु सेना के पायलट की ड्रेसध्रैफल विमान की फोटो के साथ राजनीतिक प्रचार क्यों किया जा रहा है। पहलगाम आतंकी हमले के जिम्मेदारों जिनके कारण सीमा से 150 किलोमीटर अंदर डेढ़ घंटे तक आंतकवादियों द्वारा पर्यटकों की क्रूर हत्या की गई, प्रधानमंत्री जी द्वारा क्या कार्यवाही की गई।

प्रयागराज की पूर्व महापौर ने सर्राफा कारोबारी के परिवार को दिया 2.40 लाख का चेक

जून 2021 में हुई थी सर्राफा कारोबारी अशोक अग्रवाल की हत्या

लखनऊ। औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी के वादे के पूरा करते हुए प्रयागराज की पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नन्दी ने गुरूवार की देर शाम अपने पुत्र नमन गुप्ता के साथ मऊरानीपुर के सर्राफा कारोबारी स्वर्गीय अशोक अग्रवाल के घर जाकर उनकी पत्नी नीलम अग्रवाल को नन्दी सेवा संस्थान की ओर से दस–दस हजार रूपए के 24 चेक दिए। परिवारजनों से मुलाकात कर कुशलक्षेम जाना। साथ ही हर सम्भव सहायता का आश्वासन दिया।13 जून 2021 को मामूली विवाद में मऊरानीपुर के सर्राफा कारोबारी अशोक अग्रवाल की गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने 27 जून 2021 को मऊरानीपुर जाकर मृतक सर्राफा कारोबारी के परिवारजनों से मुलाकात करते हुए सर्राफा कारोबारी की पत्नी को आजीवन 10 हजार रूपए आर्थिक सहायता दिए जाने एवं बिटिया की शादी में एक लाख रूपए दिए जाने का वादा किया था। तब से लेकर लगातार मंत्री नन्दी द्वारा सर्राफा कारोबारी स्वर्गीय अशोक अग्रवाल की पत्नी नीलम अग्रवाल को हर महीने 10 हजार रूपए का चेक दिया जा रहा है।सर्राफा कारोबारी स्वर्गीय अशोक अग्रवाल की पत्नी नीलम अग्रवाल ने कहा कि यह धनराशि उनके परिवार के जीविकोपार्जन का बहुत बड़ा सहारा है। 2021 में घटित घटना के बाद से लगातार मंत्री नन्दी द्वारा परिवार को दस हजार रूपए महीने की आर्थिक सहायता दी जा रही है।नन्दी सेवा संस्थान द्वारा प्रदेश के कई परिवारों को हर महीने 10 हजार रूपए की आर्थिक सहायता दी जा रही है। मंत्री नन्दी ने प्रयागराज, कानपुर झांसी, गोरखपुर, प्रतापगढ़ के साथ ही प्रदेश के कई अन्य जनपदों में ऐसे कई परिवारों को आजीवन आर्थिक मदद करने का बीड़ा उठा रखा है, जिन्होंने घर की जिम्मेदारी सम्भालने वाले अपनों को खोया है। कोई घटना तो कोई दुर्घटना का शिकार हुआ है। मंत्री नन्दी ऐसे पीड़ित परिवारों को प्रत्येक महीने दस हजार रूपए की आर्थिक मदद देते हैं, जो पीड़ित परिवार के लिए एक मजबूत सहारा बनती है। इस अवसर पर प्रोफेसर मनोज कुमार गुप्ता, डॉ. अनूप गुप्ता, सीताराम बिलैया, नरेंद्र दमेले, गोपालदास दमेले, भगवानदास सेठ, राधारमण कथिल, मनीष बिलैया, अमित अग्रवाल, नमन अग्रवाल, गीता अग्रवाल, साधना अग्रवाल, नीलेश अग्रवाल, अनुपम चौबे, संजू सोनी, कुलदीप पटौरिया आदि मौजूद रहे।

गृहकर वसूली में वृद्धि, छूट योजना जून 2025 तक बढ़ाई

लखनऊ। नगर निगम ने गृहकरदाताओं को राहत देते हुए वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए घोषित छूट योजना को 30 जून 2025 तक बढ़ा दिया है। नगर आयुक्त को भेजे गए निर्देश में महापौर सुषमा खर्कवाल ने जनहित में यह निर्णय लिया है कि गृहकर भुगतान करने वाले करदाताओं को ऑनलाइन भुगतान पर 10 प्रतिशत और ऑफलाइन भुगतान पर 8 प्रतिशत की छूट मई माह में भी जारी रखी जाएगी। उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम 1959 की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत यह छूट योजना प्रारंभ में 31 मई 2025 तक प्रभावी थी। इस अवधि के दौरान करदाताओं ने बढ़–चढ़कर भागीदारी दिखाई, जिससे नगर निगम की गृहकर वसूली में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मई 2025 में प्राप्त गृहकर राजस्व, पूर्व वित्तीय वर्ष की अपेक्षा कई गुना अधिक रहा है।नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार, डिजिटल माध्यम से भुगतान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ऑनलाइन भुगतान करने वालों को अधिक छूट प्रदान की गई थी। इस पहल को करदाताओं ने सराहा और इसका भरपूर लाभ उठाया। इससे न केवल राजस्व में वृद्धि हुई, बल्कि लोगों की सहभागिता भी बढ़ी है। महापौर सुषमा खर्कवाल ने अपने निर्देश में कहा है कि नगर निगम को प्राप्त इस सफलता को देखते हुए यह आवश्यक हो जाता है कि जून 2025 में भी करदाताओं को वही छूट सुविधा प्रदान की जाए। इससे लोगों को कर भुगतान के लिए प्रेरणा मिलेगी और पारदर्शिता व राजस्व संग्रहण की प्रक्रिया भी सुदृढ़ होगी। नगर आयुक्त को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया है कि वे इस योजना को प्रभावी रूप से लागू करें और नागरिकों को इसका लाभ समयबद्ध रूप से प्राप्त हो। साथ ही, निगम द्वारा इस योजना की व्यापक सूचना प्रचारित करने के लिए प्रचार माध्यमों का उपयोग भी सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक लोग इस छूट योजना से लाभान्वित हो सकें।

महिलाओं की सुरक्षा हेतु महिला आयोग की संस्तुतियां

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान ने प्रदेश के समस्त जिला अधिकारियों को पत्र प्रेषित कर महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा की अपेक्षा की है। प्रदेश में आवागमन के विभिन्न सार्वजनिक संसाधनों ई रिक्शा, ओला कैब, उबर कैब, रैपिडो,आटो, टैम्पो आदि पर वाहन चालक का नाम, मोबाईल नम्बर व पहचान का विवरण अंकित कराया जाये। साथ ही टैक्सी वाहनों में चाइल्ड लॉक की सुविधा भी हटायी जाये। प्रदेश के विभिन्न जनपदों के निर्जन स्थलों, बालिका विद्यालयों, ग्रामीण क्षेत्र में संचालित विद्यालयों पर तत्काल सीसीटीवी कैमरे लगवाये जायें। महिलाओं के आवागमन के सार्वजनिक स्थलों पर पुलिस गश्त मोबाइल वैन दो पहिया वाहनो की संख्या बढ़ायी जाए तथा पुलिस गश्त की प्रगति वं दैनिक कार्यवाही की समीक्षा क्षेत्राधिकारी स्तर के अधिकारी द्वारा प्रतिदिन नियमित रूप से की जाय।डॉ बबीता सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश के प्रत्येक थानान्तर्गत अवांछित तत्वों की पहचान कर उन पर कड़ी निगरानी रखी जाए व उनके क्रियाकलापों पर नियमित रूप से सर्तक दृष्टि रखी जाये। प्रदेश के समस्त जनपदों में महिला अपराधों की रोकथाम हेतु महिला पुलिस अधिकारी सहित विशेष पुलिस बल का गठन किया जाये जिनके सम्पर्क नम्बर सार्वजनिक स्थलों पर अंकित भी कराये जाये। विशेष पुलिस बल प्रदेश के विद्यालयों, आवागमन के सार्वजनिक स्थलों, शापिंग मॉल्स एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थलों पर नियमित रूप से भ्रमण कर उपस्थित जन समुदाय को जनपद में संचालित महिला हेल्पलाइन के नम्बरों एवं विशेष पुलिस बल के नम्बरों की समुचित जानकारी प्रदान करे।

नया टेण्डर घोटाला सामने : ग्रान्ट थॉर्टन की नियुक्ति रद्द करने की मांग

लखनऊ। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उप्र ने मांग की है कि ग्रॉन्ट थॉर्टन का पॉवर कारपोरेशन में नया टेण्डर घोटाला सामने आने के बाद पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण हेतु अवैध ढंग से नियुक्त किये गये ट्रांजैक्शन कंसलटेंट ग्रॉन्ट थॉर्टन का नियुक्ति आदेश तत्काल रद्द किया जाये। संघर्ष समिति ने पॉवर कारपोरेशन के चेयरमैन डॉ आशीष गोयल पर आरोप लगाया है कि उन्होंने 27 मई को सायंकाल उपभोक्ताओं का ब्रेकडाउन अटेण्ड करने एवं उपभोक्ता सेवा को प्राथमिकता देने के कारण 87 अधिशासी अभियन्ताओं पर अनुशासनात्मक कार्यवाही करने का प्रबन्ध निदेशकों को आदेश जारी किया है जिससे अभियन्ताओं और कर्मचारियों में भारी रोष व्याप्त हो गया है। निजीकरण के विरोध में आज भी प्रान्त भर में बिजली कर्मियों ने विरोध प्रदर्शन जारी रखा। संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने संजय सिंह चौहान, जितेन्द्र सिंह गुर्जर, गिरीश पांडेय, महेन्द्र राय, पी.के.दीक्षित, सुहैल आबिद, शशिकान्त श्रीवास्तव, चंद्र भूषण उपाध्याय, आर वाई शुक्ला, छोटेलाल दीक्षित, आर बी सिंह, ने बताया कि 27 मई को चेयरमैन की वीडियो कॉफ्रेंसिंग के दौरान इस भीषण गर्मी में ब्रेकडाउन होने की सूचना मिलने पर कुछ अधिशासी अभियन्ताओं ने वीडियो कॉफ्रेंसिंग मीटिंग छोड़कर उपभोक्ताओं का ब्रेकडाउन अटेण्ड करने का कार्य प्राथमिकता पर किया जिससे उपभोक्ताओं को कोई तकलीफ न हो। पॉवर कारपोरेशन के चेयरमैन डॉ आशीष गोयल ने आज सभी विद्युत वितरण निगमों के प्रबन्ध निदेशकों को एक पत्र भेज कर ऐसे 87 अभियन्ताओं की सूची संलग्न कर उनपर तीन दिन के अन्दर अनुशासनात्मक कार्यवाही करने का एकतरफा आदेश जारी किया है। चेयरमैन के इस आदेश से अतिउत्साहित होकर कुछ प्रबन्ध निदेशकों ने भी इसी प्रकार के अनुशासनात्मक कार्यवाही के पत्र जारी किये है और बिजली कर्मियों और अभियन्ताओं का एक दिन का वेतन रोकने का आदेश भी जारी किया गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि ऊर्जा निगमों में हड़ताल थोपने के प्रयास में विफल हो जाने के बाद पॉवर कारपोरेशन के चेयरमैन औद्योगिक अशान्ति फैलाने के नये रास्ते तलाश रहे हैं। संघर्ष समिति ने चेतावनी दी है कि यदि उपभोक्ता सेवा अटेण्ड करने को प्राथमिकता देने वाले किसी भी अभियन्ता या कर्मचारी को दण्डित किया गया तो इसकी तीखी प्रतिक्रिया होगी जिसकी सारी जिम्मेदारी चेयरमैन की होगी।संघर्ष समिति ने कहा कि झूठा शपथ पत्र देने वाले और अमेरिका में लगी पेनाल्टी को स्वीकार करने वाले ट्रांजैक्शन कंसलटेंट ग्रान्ट थॉर्टन को पॉवर कारपोरेशन के निदेशक वित्त श्री निधि नारंग और चेयरमैन डॉ आशीष गोयल ने मिली भगत कर तीन दिन पहले क्लीन चिट दी थी।

नगर आयुक्त ने नाला सफाई का किया निरीक्षण, दिए सख्त निर्देश

लखनऊ। शहर में मानसून पूर्व तैयारियों को लेकर नगर निगम की सक्रियता बढ़ गई है। इसी क्रम में नगर आयुक्त गौरव कुमार ने शुक्रवार को विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर नाला एवं नालियों और कूड़ा उठान व्यवस्था का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सफाई कार्यों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को कड़ी चेतावनी दी और जमीनी हालात की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को समयबद्ध सफाई कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। स्थानीय लोगों से फीडबैक लेकर उन्होंने जनसहभागिता की अहमियत पर भी बल दिया। शुक्रवार सुबह नगर आयुक्त ने जोन 7 के इंदिरा नगर के सेक्टर–सी का निरीक्षण किया। उन्होंने नालियों की सफाई व्यवस्था की समीक्षा की और सफाई कर्मियों को कड़ी हिदायतें दीं। इस दौरान स्थानीय निवासियों से संवाद कर कूड़ा उठान व्यवस्था पर फीडबैक भी लिया। नागरिकों ने बताया कि एक निजी व्यक्ति 150 रुपये प्रति माह शुल्क लेकर कूड़ा उठाता है, जिस पर नगर आयुक्त ने तत्काल जांच कर हर घर तक नगर निगम की कूड़ा गाड़ी पहुंचाने के निर्देश दिए। नगर आयुक्त ने सेक्टर डी से मुंशी पुलिया जाने वाली सड़क के किनारे स्थित नालियों का निरीक्षण किया। उन्होंने साफ–सफाई की स्थिति पर असंतोष जताते हुए अधिकारियों को कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। इसके बाद नगर आयुक्त ने अरविंदो चौराहा के आस–पास की नालियों का निरीक्षण किया। उन्होंने जोनल सेनेटरी ऑफिसरको निर्देश दिए कि पार्क क्षेत्र की सभी नालियों की समुचित सफाई सुनिश्चित की जाए। सेक्टर 14 में नाला सफाई का निरीक्षण करते हुए नगर आयुक्त ने एसएफआई को निर्देश दिए कि मौके से सिल्ट को जल्द से जल्द हटाया जाए। साथ ही उन्होंने स्थानीय लोगों से पूछताछ कर डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन की व्यवस्था की जानकारी ली, जिस पर नागरिकों ने संतोषजनक प्रतिक्रिया दी।निरीक्षण के क्रम में नगर आयुक्त ने रिंग रोड जोन 3 का दौरा किया। उन्होंने चीफ इंजीनियर आरआर को निर्देशित किया कि नाले की सफाई का कार्य शीघ्र पूरा किया जाए और मौके से सिल्ट हटाई जाए।सेक्टर सी जानकीपुरम, जोन 3 में सफाई व्यवस्था की स्थिति पर नगर आयुक्त ने नाराजगी जाहिर की। सफाई में लापरवाही पाए जाने पर उन्होंने ैथ्प् का वेतन बाधित करने के निर्देश दिए और ैव् को सेक्टर की बैक लेन व नालियों की बेहतर सफाई सुनिश्चित कराने को कहा। नगर आयुक्त ने अलीगंज के सेक्टर ओ में नाले की सफाई का जायजा लिया। उन्होंने चीफ इंजीनियर सिविल को निर्देश दिए कि कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाए।महानगर मेट्रो स्टेशन के सामने से गुजर रहे नाले का निरीक्षण करते हुए नगर आयुक्त ने वहां मौजूद अतिक्रमण को तत्काल हटाकर नाले की पूरी सफाई कराने के निर्देश इंजीनियर सिविल को दिए। इस निरीक्षण दौरे के दौरान अपर नगर आयुक्त ललित कुमार, सुश्री नम्रता सिंह, चीफ इंजीनियर सिविल महेश वर्मा, चीफ इंजीनियर आरआर ी मनोज कुमार प्रभात सहित नगर निगम की इंजीनियरिंग ब्रांच और जोन के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सक्षिप्त खबरें

आवंटियों ने एलडीए वीसी का ऑफिस घेरा,बोले–बसंत कुंज योजना के प्लॉट की रजिस्ट्री–कब्जा दिलाएं

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) की वसंतकुंज योजना सेक्टर–ए के 272 आवंटियों ने वीसी ऑफिस का घेराव किया। उन्होंने जल्द आवंटित भूखंडों की रजिस्ट्री और कब्जा दिलवाने की मांग की। वीसी के नहीं मिलने पर नाराज आवंटियों ने अपर सचिव को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा मामले की जांच के लिए अपर सचिव की अध्यक्षता में गठित समिति की रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाए। यह रिपोर्ट पारदर्शिता का प्रतीक है। आवंटियों ने बताया कि उन्होंने बैंक से लोन लेकर भूखंड की लागत का भुगतान किया है, लेकिन रजिस्ट्री न होने के कारण बैंक अब होम लोन को पर्सनल लोन में बदलने की धमकी दे रहा है। इससे उन पर भारी ब्याज दर का बोझ आ सकता है।आवंटियों का कहना है कि वे एक ओर बैंक की किस्त चुका रहे हैं, वहीं दूसरी ओर किराए का मकान लेकर रहना उनकी मजबूरी बन चुका है। यह दोहरा दबाव उन्हें आर्थिक रूप से तोड़ रहा है। जमीन पर कब्जे को हटाने के लिए प्राधिकरण पुलिस के साथ मिल कर अभियान चलाए।

संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे में लटका मिला बीबीए स्टूडेंट का शव

लखनऊ। राजधानी में एक मॉल कर्मचारी का शव संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे में लटका मिला। मृतक की पहचान प्रिंस कुशवाहा (20) के रूप में हुई है। वह पंजाब के लुधियाना का रहने वाला था। 15 दिन पहले ही उसने मॉल की नौकरी छोड़ी थी। प्रिंस ओमेक्स सिटी में किराए के कमरे में रहता था और आशियाना स्थित ग्रॉसरी मॉल में काम करता था। इसके साथ ही अयोध्या के एक कॉलेज से बीबीए की पढ़ाई कर रहा था। शुक्रवार दोपहर करीब 12:30 बजे मकान मालिक विनीत कुमार अधोलिया ने पुलिस को सूचना दी। उन्होंने बताया कि दूसरी मंजिल पर स्थित कमरे में प्रिंस का शव फांसी पर लटका हुआ है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर खिड़की से देखा तो प्रिंस पंखे के हुक से दुपट्टे के सहारे लटका हुआ था। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला। बिजनौर प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार राणा ने बताया कि मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दे दी गई है। आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर सिग्नेचर कैंपेन

लखनऊ। विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर हेल्प यू एजुकेशनल एंड चौरिटेबल ट्रस्ट और जवाहर भवन एवं इंदिरा भवन के संयुक्त तत्वाधान में जवाहर भवन एवं इंदिरा भवन परिसर, अशोक मार्ग, लखनऊ में सिग्नेचर कैंपेन तंबाकू छोड़ो, जीवन को अपनाओ" का आयोजन किया गया। इस विशेष मुहिम में तंबाकू छोड़ो, जीवन को अपनाओ का संदेश जन–जन तक पहुँचाने हेतु जवाहर भवन एवं इन्दिरा भवन के 200 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हस्ताक्षर कर तंबाकू मुक्त जीवन का संकल्प लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। तंबाकू का सेवन न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिए घातक है, बल्कि यह परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति में भी एक गंभीर अवरोध है। सिग्नेचर कैंपेन के दौरान सभी उपस्थित लोगों ने यह संकल्प लिया कि, "वे स्वयं भी तंबाकू से दूर रहेंगे और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करेंगे। यह अभियान केवल एक हस्ताक्षर तक सीमित नहीं था, बल्कि यह स्वस्थ जीवन, स्वच्छ समाज और समृद्ध राष्ट्र की ओर बढ़ाया गया एक जागरूक नागरिक का प्रतिज्ञाबद्ध कदम था।

राजधानी में उमस के बाद बारिश,गर्मी से मिली राहत

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को मौसम बदल गया। दिन भर उमस भरी गर्मी के बाद शाम को अचानक तेज बादल छाए और बारिश हुई। इससे मौसम सुहाना हो गया। लोगों को भीषण गर्मी से थोड़ी राहत मिली। इससे पहले दिन में बादल छाए रहे। मौसम विभाग ने बादलों की गरज–चमक के साथ में हल्की बारिश और बौछार पड़ने के आसार जताए थे। राजधानी का अधिकतम तापमान 39 डिग्री के आसपास दर्ज हुआ है। न्यूनतम तापमान 28 डिग्री रहा है। मौसम विभाग ने अगले तीन दिन हल्की बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया हुआ है।मौसम विभाग ने राज्य में कुछ स्थानों पर आंधी–तूफान और हल्की बारिश की चेतावनी भी जारी की है। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और अलग–अलग स्थानों पर बिजली गिरने की आशंका है। लखनऊ में कल तक कई जगहों पर बारिश के आसार बन रहे हैं। इसके बाद भी बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि बस्ती, बाराबंकी, सीतापुर,बहराइच,गोंडा, सिद्धार्थ नगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, लखीमपुर खीरी, में बादलों की गरज चमक और आकाशीय बिजली के साथ बारिश की संभावना है।

अवैध कारतूस बेचने वाला गिरफ्तार

लखनऊ। लखनऊ क्राइम ब्रांच और चिनहट थाना पुलिस की टीम ने लोगों को अपनी बात में फंसाकर शस्त्र लाइसेंस लेकर कारतूस लेने वाले को गिरफ्तार किया। जिन्हें शस्त्र की सरकारी दुकानों से लाईसेंस दिखाकर लेता था। उसके बाद बाजार में अधिक दामों पर बेचता था। पुलिस ने उसके पास से दो लाइसेंसी रिवाल्वर और तीन शस्त्र लाइसेंस के साथ 110 कारतूस बरामद की हैं। पुलिस टीम उसके आपराधिक इतिहास के साथ किसे बेचता था उनका पता लगा रही है। चिनहट इंस्पेक्टर दिनेश चंद्र मिश्र ने बताया कि क्राइम टीम के साथ थाना पुलिस ने रहीमनगर निवासी प्रदीप कुमार दीक्षित को राष्ट्रीय ग्रामोद्योग आश्रम इंटर कालेज के पास से शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया। आरोपी धोखाधडी से शस्त्र धारकों का लाइसेंस लेकर कारतूस लेता था। जिन्हें बाजार में अवैध रूप से बेचता था। उसके पास से रिवाल्वर की दो लाइसेंस, राइफल की तीन लाइसेंस बरामद हुई है। साथ ही 30 कारतूस 315 बोर और 80 कारतूस 32 बोर के बरामद हुए हैं। आरोपी से जुड़े लोगों के विषय में जानकारी जुटाई जा रही है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शक्ति सिंह द्वारा राज तरूण आफसेट, एल0जी0एफ0 5–14, अंसल सिटी सेंटर, हजरतगंज, लखनऊ– 226001 से मुद्रित तथा 486/238–डी, डालीगंज, निरालानगर, जनपद लखनऊ–226020 से प्रकाशित।
सम्पादक– शक्ति सिंह मो0 7052608007 नोटः समाचार पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।